Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–141

B.A. (Part–III) DUE Ist Year Examination, 2021

SANSKRIT

Paper - II

(भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। उत्तर-सीमा **50** शब्द है। प्रश्न संख्या 6 से 10 तक के उत्तर संस्कृत माध्यम से दीजिये : 2

   (i) आश्रम कितने हैं ? नाम लिखिये। 2

   (ii) वर्ण कितने हैं ? नाम लिखिये। 2

(iii) राजा दिलीप की पत्नी का क्या नाम है ? 2

(iv) नन्दिनी किसकी पुत्री थी ? 2

(v) निम्नलिखित गद्य खण्ड का अर्थ लिखिए :

विद्या मानवस्य सदा बन्धुवत् साहाय्यं करोति। विविधेन प्रकारेण उपकारं करोति। मातेव रक्षति, पितेव हितकार्ये नियोजयति राजसभायां विद्वान् एव गौरवं कीर्तिञ्च लभते। विद्या धनमेव जगति श्रेष्ठं धनम्। न हि कश्चित् विद्यां चोरयितुं समर्थः। 2

(vi) निम्नांकित वाक्यानां संस्कृत भाषायामनुवादं क्रियताम्– 2

(क) मन्दिर के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(ख) पुत्र पिता के साथ जाता है।

(ग) गुरुओं को नमस्कार।

(घ) राम विद्यालय जाता है।

(vii) माहेश्वर सूत्राणि कति, तेषां नामानि लिख्यताम्। 2

(viii) उच्चैः उदात्तः सूत्रस्य व्याख्यां करोतु। 2

(ix) 'राम' शब्दस्य रूपं लिख्यताम्। 2

(x) 'भू' धातु लट् लकारे रूपं लिख्यताम्। 2

खण्ड–ब 8 each

सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)।

2. प्राचीन भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

3. प्राचीन भारतीय संस्कृति में वर्ण व्यवस्था पर प्रकाश डालिये।

4. (अ) निम्नलिखित पद्य की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

तस्याः खुरन्यास पवित्रपांसुमपांसुलानां धुरि कीर्तनीया।
मार्गं मनुष्येश्वर धर्मपत्नी श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्॥

(ब) निम्नलिखित श्लोक का सप्रसङ्ग अनुवाद कीजिये :

शशाम वृष्ट्यापि विना दवाग्निरासीद्विशेषा फल पुष्पवृद्धिः।
ऊनं सत्त्वेष्वधिको बबाधेतस्मिन् वनं गोप्तरि गाहमाने॥

5. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद कीजिये :

विश्व में असख्ंय भाषाएँ प्रचलित हैं। इनमें संस्कृत भाषा सर्वोत्तम है। संस्कृत भाषा सभी दोषों से रहित है। इसी कारण इसे देवभाषा, सुरभारती, गीर्वावाणी, अमर भारती कहा जाता है।

6. संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

परेषाम् उपकारः परोपकारो वर्तते। अन्य प्राणिनां हिताय यत्किञ्चित् दीयते तेषां सहायता वा क्रियते तत् सर्वं परोपकार पदेन कथ्यते। शास्त्रेषु परोपकारस्य बहु महत्त्वं वर्णितमस्ति। परोपकारेण संसारस्य कल्याणं जायते। परोपकारेण वृक्षाः फलन्ति। परोपकारेण नद्याः वहन्ति। परोपकारेण गावो दुहन्ति।

7. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिये :

(क) मुख नासिका वचनोऽनुनासिकः।

(ख) अकः सवर्णे दीर्घः।

(ग) विष्णूदयः सूत्र सहित प्रयोग सिद्धि कीजिये।

(घ) विसर्जनीयस्य सः।

8. निम्नलिखित शब्दों के रूप लिखिये–

(क) (i) गुरु

(ii) नदी

(iii) तद् शब्द पुल्लिङ्ग

(iv) ज्ञान

(ख) निम्नांकित धातु रूप लिखिये :

(i) भू धातु (लृट् लकार)

(ii) गम् धातु (लोट् लकार)

(iii) पठ् धातु (लङ् लकार)

(iv) एध् धातु (लट् लकार)

खण्ड–स 20 each

चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर-सीमा **500** शब्द है।

9. संस्कार किसे कहते हैं ? भारतीय संस्कृति में वर्णित सोलह संस्कारों पर एक निबन्ध लिखिये।

10. रघुवंश महाकाव्य के द्वितीय सर्ग का सार लिखिये।

11. भारतीय संस्कृति में आश्रम व्यवस्था पर प्रकाश डालिये।

12. (अ) अधोलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये :

    (क) इको यणचि

    (ख) अदर्शनं लोपः

    (ग) तुल्यास्य प्रयत्नं सवर्णम्

    (घ) मोऽनुस्वारः

    (ङ) ससजुषो सः

    (ब) निम्नलिखित शब्दों के सूत्र सहित रूप सिद्धि कीजिये :

    (क) उपेन्द्रः

    (ख) सुध्युपास्यः

    (ग) रामष्षष्ठः

    (घ) पावकः

    (ङ) वागीशः